Downloaded From: http://www.cbseportal.com

HINDI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 85

प्र01. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

समाज में नारियों की स्थिति किसी भी समाज की संस्कृति की नींव पर आधार रखती है। शिक्षित, सुसंस्कृत नारी ही अपने समाज को आगे बढ़ा सकती है। भारत में नारियों की दशा समय–समय पर बदलती रही है। प्राचीन काल में, समाज में उनकी बहुत प्रतिष्ठा थी। समाज में उनको पुरूषों की भान्ति स्थान दे कर उन्हें कल्याणी, अर्द्धांगिनी, गृहलक्ष्मी आदि सुन्दर नामों से विभूषित किया। वे अध्यात्मवादी थीं और उनका लक्ष्य ज्ञान–विज्ञान द्वारा अपने को ऊँचा उठाना था। उनका दाम्पत्य जीवन धर्म और अध्यात्मवाद से ओतप्रोत था। वे वैदिक काल से ऋषियों के आश्रम में रह कर ऊँची–ऊँची शिक्षाएं प्राप्त करती थीं। उन्हें धार्मिक ग्रन्थों की शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार समाज द्वारा मान्य था। उनका जीवन स्वतन्त्र था। वे साहित्य, विज्ञान, कला, राजनीति सभी क्षेत्रों में पुरूषों के समकक्ष थीं। परन्तु जैसे–जैसे समय बीतता गया, नारियों की स्थिति खराब होती गई। समाज के ठेकेदारों ने नारियों के अधिकार छीन लिए। अशिक्षित, दुर्बल नारियों ने वधू, विधवा और दासी स्त्री के रूप में वर्षों तक घोर अत्याचार सहा। स्त्री अहिंसा की अवतार है। अहिंसा का अर्थ है – असीम प्रेम और असीम प्रेम का अर्थ है – असीम कष्ट सहने की शक्ति। यह शक्ति पुरूष की जननी स्त्री के सिवा अधिक से अधिक मात्रा में कौन दिखा सकता है ? संसार भर में सारी स्त्रियां बहनें हैं, माताएं हैं। यह विचार ही मनुष्य को ऊँचा उठाने वाला है और बन्धन से मुक्त करने वाला है।

प्रश्न :– (1) कैसी स्त्रियां समाज को आगे बढ़ा सकती हैं ?
(2) प्राचीन काल में स्त्रियों का क्या स्थान था ?
(3) कौन–कौन से क्षेत्र में स्त्रियां पुरूषों के समान थीं ?
(4) नारियों में कौन सी असीम शक्ति पाई जाती है ?
(5) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1½+1½+1½+1½+2=8)

प्र02. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शव को दें हम रूप, रंग, आदर मानव का ?
मानव को हम कुत्सित चित्र बना दें शव का ?
गत युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर,
मानव के मोहान्ध हृदय में किए हुए घर।
भूल गए हम जीवन का सन्देश अनश्वर
मृतकों के हैं मृतक, जीवितों का है ईश्वर।

प्रश्न :– (1) कवि ने ताज को किस मानसिकता का स्मारक माना है ?

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(2) कवि ने इस काव्यांश में क्या चिन्ता व्यक्त की है ?
(3) कवि ने किस सन्देश को भूलने की बात की है ?
(4) कवि के अनुसार मनुष्य का लक्ष्य क्या है ? (2+2+2+2=8)

प्र03. किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए :
(क) राष्ट्र भाषा हिन्दी,
(ख) वर्तमान शिक्षा–प्रणाली : गुण एवं दोष,
(ग) हिमाचल के पर्यटक स्थल,
(घ) प्रदूषण की समस्या एवं समाधान,
(ङ) भारत में सूचना–प्रौद्योगिकी : एक युगीन क्रान्ति (5)

प्र04. नगर–निगम के अध्यक्ष को एक शिकायत–पत्र लिखिए, जिसमें शहर में फैलती गन्दगी की समस्या से राहत की मांग की गई हो।

अथवा

अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए, जिसमें विद्यालय में मनाए गए वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का वर्णन किया गया हो। (5)

प्र05. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय देते हुए उनसे जुड़ी पांच–पांच खूबियों एवं खामियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

फ़ीचर क्या है ? उसकी विशेषताएं बतलाते हुए, समाचार और फीचर के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। (4)

प्र06. कविता से क्या तात्पर्य है ? कविता के प्रमुख घटकों और उनके महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कहानी और नाटक का सम्बन्ध बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि कहानी को नाटक बनाते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है ? (4)

प्र07. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यह जन है – गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ?
पनडुब्बा – ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा ?
यह समिधा – ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा।
यह अद्वितीय – यह मेरा – यह मैं स्वयं विसर्जित –
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख जो जाइ किमि काढ़ी।।
अब घनि देवस बिरह भा राती। जरै बिरह ज्यौं दीपक बाती।।
काँपा हिया जनावा सीऊ। तौ पै जाइ होइ संग पीऊ।।
घर घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रंग लै गा नाहू।।
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई।।
सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा।।
यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जरम करै भसमंतू।।
पिय सौं कहेहु सँदेसरा ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि बिरहें जरि गई तेहिक धुआँ हम लाग।। (3)

प्र08. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कार्नेलिया का गीत कविता में प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है ?

(ख) बनारस में धीरे–धीरे क्या–क्या होता है ? 'धीरे–धीरे' से कवि इस शहर के बारे में क्या कहना चाहता है ?

(ग) गीतावली से संकलित पद 'राघौ एक बार फिरि आवौ' में निहित करूणा और सन्देश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(घ) चार मुख, पाँच मुख और षट मुख किन्हें कहा गया है और उनका देवी सरस्वती से क्या सम्बन्ध है ? (2+2+2=6)

प्र09. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

बुझ गई है लौ पृथा की,
जल उठो फिर सींचने को।

अथवा

कुसमित कानन हेरि कमलमुखि, मूदि रहए दु नयान।
कोकिल–कलरव, मधुकर–धुनि सुनि, कर देइ झाँपइ कान।। (4)

प्र010. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए : (5)

(क) जयशंकर प्रसाद,

(ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय',

(ग) घनानंद

प्र011. किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) एक छोटे से गांव के निकट पत्थरों के ढेर के बीच, पेड़ के नीचे, एक चतुर्मख शिव की मूर्ति देखी। वह वैसे ही पेड़ के सहारे रखी थी जैसे उठाने के लिए मुझे ललचा रही हो। अब आप ही बताइए, मैं करता ही क्या ? यदि चांद्रायण व्रत करती हुई बिल्ली के सामने एक चूहा स्वयं आ जाए तो बेचारी को अपना कर्त्तव्य पालन करना ही पड़ता

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

है। इक्के से उतर कर इधर–उधर देखते हुए उसे चुपचाप इक्के पर रख लिया। 20 सेर वज़न में रही होगी। 'न कूकुर भूँका, न पहरू जागा।' मूर्ति अच्छी थी। पसोवे से थोड़ी सी चीज़ों के मिलने की कमी इसने पूरी कर दी।

(ख) राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपनी आँखें बन्द रखेंगे ताकि उन्हें शान्ति मिलती रहे। लोगों ने ऐसा ही किया क्योंकि राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखें बन्द किए–किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्त निकला कि लोग अपने–अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा लें क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिल्कुल जरूरी नहीं है। लोगों ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीके से बढ़ गया।

(ग) धिक्कार है उन्हें जो तीलियां तोड़ने के बदले उन्हें मजबूत कर रहे हैं, जो भारत भूमि में जन्म लेकर और साहित्यकार होने का दंभ करके मानव मुक्ति के गीत गाकर भारतीय जन को पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाते हैं। ये द्रष्टा नहीं हैं, इनकी आंखें अतीत की ओर हैं। ये स्रष्टा नहीं हैं, इनके दर्पण में इन्हीं की अंहवादी विकृतियां दिखाई देती हैं। लेकिन जिन्हें इस देश की धरती से प्यार है, इस धरती पर बसने वालों से स्नेह है, जो साहित्य की युगांतरकारी भूमिका समझते हैं, वे आगे बढ़ रहे हैं।

(4+4=8)

प्र012. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'प्रेमधन की छाया–स्मृति' संस्मरण में लेखक ने चौधरी साहब के व्यक्तित्व के किन–किन पहलुओं को उजागर किया है ?

(ख) संवदिया की क्या विशेषताएं हैं और गांववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है ?

(ग) अराफ़ात के आतिथ्य प्रेम से सम्बन्धित किन्हीं दो घटनाओं का वर्णन कीजिए।

(घ) 'कुट', 'कुटज' और 'कुटनी' शब्दों का विश्लेषण कर उनमें आपसी सम्बन्ध स्थापित कीजिए। (1½+1½+1½=4½)

प्र013. किसी एक निबन्धकार का साहित्यिक परिचय दीजिए :

(क) राम चन्द्र शुक्ल,

(ख) ममता कालिया (4½)

प्र014. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी।' सन्दर्भ सहित विवेचन कीजिए।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(ख) पहाड़ों की चढ़ाई में भूप दादा का कोई जवाब नहीं। उसके चरित्र की विशेषताएं बताइए।

(ग) बिस्कोहर में हुई बरसात का जो वर्णन बिसनाथ ने किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए। (4+4=8)

प्र015. (क) 'चूल्हा ठण्डा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठण्डा होता ?' इस कथन के आधार पर सूरदास की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए।

अथवा

'प्रकृति सजीव नारी बन गई' – इस कथन के सन्दर्भ में लेखक की प्रकृति, नारी और सौन्दर्य संबंधी मान्यताएं स्पष्ट कीजिए। (4)

(ख) 'आरोहण' कहानी को पढ़कर आपके मन में पहाड़ों पर स्त्री की स्थिति की क्या छवि बनती है ? उस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

लेखक को क्यों लगता है कि 'हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है' ? आप क्या मानते हैं ? (4)